REET 2025
LEVEL-1&2
वंदन बैच
संस्कृत
समास
LIVE
14-01-2025 03:00 PM

REET 2025 L-
TIME TABLE
REET 2025 LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
MATHS L-1 07AM
GEOGRAPHY L-2 10 AM
हिंदी L-1&2 11 AM
CDP L-1&2 02 PM
ENGLISH L-1&2 03 PM
संस्कृत L-1&2 03 PM
EVS L-1 04 PM
PHYSICS L-2 04 PM
MATHS L-2 05 PM
POLITY L-2 07 PM
CHEM+ BIO L-2 07 PM
HISTORY L-2 08 PM
Registration Starts from 23rd DEC
Classes Start from 26th DEC
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play

पदविधि ← समास (सम् + अस् + घञ्)

समास का अर्थ है - संक्षिप्त। जब दो या दो से अधिक पद परस्पर मिलकर नया शब्द बनाते हैं, तो उनके बीच की विभक्तियाँ लुप्त हो जाती हैं और बना हुआ शब्द समास कहलाता है।

यथा रामस्य पुत्रः = रामपुत्रः

विशालः बाहुः यस्य सः = विशालबाहुः।

समसनं समासः

अनेकपदानां एकपदीभवनं समासः

समास के भेद

लघुसिद्धांतकौमुदी के अनुसार :-

5 भेद :-

1) केवल समास
2) अव्ययीभाव समास
3) तत्पुरुष समास
4) द्वन्द्व समास
5) बहुव्रीहि समास

पदों की प्रधानता के आधार पर समास के भेद

4 भेद

1) अव्ययीभाव
2) तत्पुरुष समास → 5) कर्मधारय ↓ 6) द्विगु
3) द्वन्द्व समास
4) बहुव्रीहि समास

→ भूतपूर्व :

ल समास :- विशेष संज्ञा विनिर्मुक्तः केवल समासः ।

व्ययीभाव :- प्रायेण पूर्वपदार्थ प्रधानः अव्ययीभाव / eg. उपन

पुरुष समास :- प्रायेण उत्तरपदार्थ प्रधानः तत्पुरुष : / eg. यज्ञकुश

न्द्व समास :- प्रायेण उभयपदार्थ प्रधानः द्वन्द्व eg. रामकृष

हुव्रीहि समास :- प्रायेण अन्यपदार्थ प्रधानः बहुव्रीहि । eg. पीतांबर :

अधिकरण तत्पुरुष (6)

4. स्वर्गगतः

स्वर्गम् गतः

(स्वर्ग को गया हुआ।)

तृतीया तत्पुरुष ⇒ धनेन ही

चतुर्थी तत्पुरुष ⇒ भूताय

पञ्चमी तत्पुरुष ⇒ अश्वात्

षष्ठी तत्पुरुष ⇒ रामस्य

सप्तमी तत्पुरुष ⇒ युद्धे कु

तत्पुरुष

- नञ् तत्पुरुष (अधर्मः)
- उपपद तत्पुरुष (धर्मज्ञः)
- अलुक् तत्पुरुष (परस्मैपदम्)
- प्रादि तत्पुरुष प्राचार्य कुपुरुषः

सामासिक पद (विग्रह)

लौकिक विग्रह — लोक (संसार) मे सभी समझने के लिए

अलौकिक विग्रह — व्याकरण की दृष्टि से किया गया

दशरथपुत्रः

लौकिक विग्रह: दशरथस्य पुत्रः (दशरथ का पुत्र।

अलौकिक विग्रह: दशरथ ङस् पुत्र सु

विग्रह समास के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए जिन पदों को अलग किया जाता है, उन्हें विग्रह कहते हैं। यथा- रामस्य पुत्रः, विशालः बाहुः यस्य सः।

समस्त पद - समास होने पर जो शब्द बनता है, उसे समस्त पद या सामासिक पद कहते हैं।

यथा - रामपुत्रः, विशालवाहुः।

समास के भेद

समास के प्रमुख रूप से छह भेद हैं-

(1) अव्ययीभाव समास

(3) कर्मधारय समास

(5) बहुव्रीहि समास

(2) तत्पुरुप समास

(4) द्विगु समास

(6) द्वन्द्व समास